उत्तराखण्ड शासन

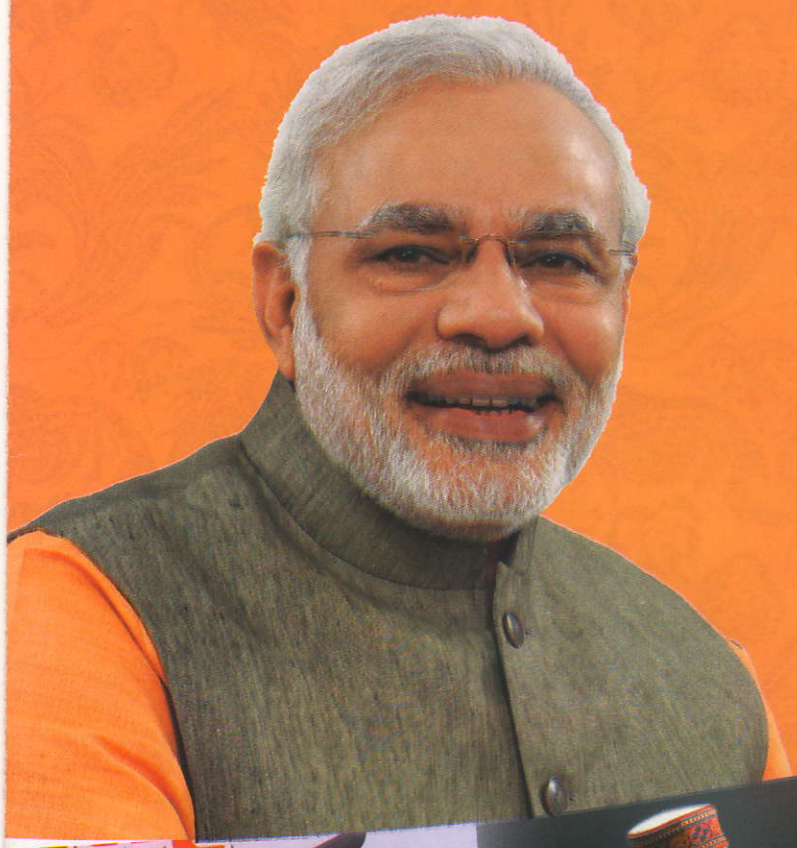

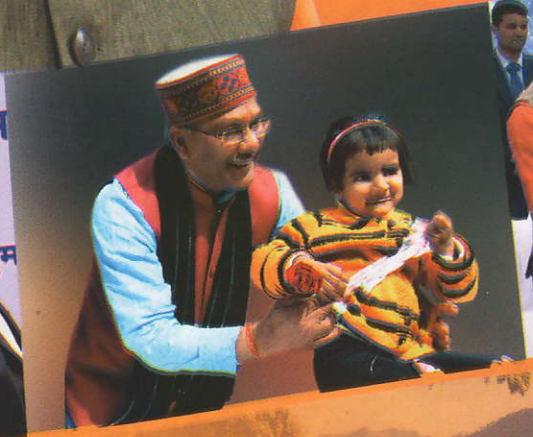

1 वर्ष विश्वास का, ईमानदारी का, विकास का...

एक वर्ष विश्वास का, ईमानदारी का, विकास का...

भ्रष्टाचार मुक्त उत्तराखण्ड : रिफॉर्म, परफॉर्म एण्ड ट्रांसफॉर्म

- 'जीरो टॉलरेंस ऑन करप्शन'।
- स्थानान्तरण में पारदर्शिता लाने हेतु मजबूत 'ट्रान्सफर एक्ट' लागू।
- सचिवालय से ब्लॉक स्तर तक बायोमेट्रिक हाजिरी।
- सेवा का अधिकार कानून के अंतर्गत 162 नई सेवाएं जोड़ते हुये 312 सेवाओं का अधिकार।
- जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिला तहसील और ब्लॉक दिवसों का आयोजन।
- जन शिकायतों के लिये हेल्पलाईन नम्बर '1905' प्रारम्भ।
- विभिन्न सरकारी विभागों के आउटकम बेस्ड परफोर्मेंस की मॉनिटरिंग करने के लिए सीएम मॉनिटरिंग डैशबोर्ड ''उत्कर्ष'' की शुरूआत।
- DBT के अंतर्गत राज्य खाद्य योजना की सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के खाते में।
- ऊर्जा विभाग के राजस्व में गत वर्ष की तुलना में ₹ 200 करोड़ की बढ़ोत्तरी।
- परिवहन विभाग के राजस्व में गत वर्ष की तुलना में ₹140 करोड़ की बढ़ोत्तरी।
- ड्राईविंग लाईसेंस और कर भुगतान की व्यवस्था ऑनलाईन व कैशलेस की गई।
- खनन विभाग में e-Auction की पारदर्शी प्रक्रिया। राजस्व में लगभग 27 प्रतिशत की वृद्धि।
- एन.एच. 74 भूमि मुआवजा वितरण अनियमितता में अब तक 20 आरोपियों की गिरफ्तारी, चार्जशीट दाखिल।
- समाज कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति एवं पेंशन हुई ऑनलाईन।
- सरकारी खरीद में पारदर्शिता एवं मितव्ययिता सुनिश्चित करने हेतु गर्वमेंट ई-मार्केट प्लेस (GeM)की व्यवस्था।

अन्नदाता सुखी भवः

- वर्ष 2022 तक किसानों की आय दो गुनी करने के लिये कार्ययोजना लागू।
- अब तक सवा लाख से अधिक किसानों को लगभग ₹ 600 करोड़ का ऋण मात्र 02 प्रतिशत ब्याज पर।
- फार्म मशीनरी बैंक से कृषि उपकरणों पर किसानों को 80 प्रतिशत तक छूट।
- ऑर्गेनिक-हर्बल स्टेट बनाने हेतु ₹1500 करोड़ की कार्ययोजना स्वीकृत।
- पर्वतीय क्षेत्र में छोटी एवं बिखरी जोतों की चकबन्दी का निर्णय।
- बद्री गाय के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि हेतु फील्ड परफोर्मेंस रिकार्डिंग शुरू।
- दुग्ध उत्पादकों को दूध का उचित मूल्य देने के लिए 1131 आधुनिक मिल्क कलेक्शन यूनिट स्थापित।

- आधुनिक मिल्क कलेक्शन यूनिटों की स्थापना से किसान को दुग्ध विक्रय से औसतन ₹ 6 प्रति लीटर तक की अतिरिक्त आमदनी।
- कृषि यंत्रीकरण के लिए फार्म मशीनरी बैंको की संख्या 70 से बढ़ाकर 370 की गई। प्रत्येक मशीनरी बैंक के लिए ₹ 10 लाख का प्राविधान।
- सहकारी समितियों के लिए ₹ 2600 करोड़ की स्वीकृति।
- आजीविका मिशन के तहत कृषि उत्पाद बेचकर सहकारिता समूहों ने एक साल में ₹ 8 करोड़ का व्यापार किया।

सिम्पली हेवन "Simply Heaven"

- वर्ष 2013 की आपदा के बाद से वर्ष 2017 में चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड 24 लाख यात्रियों का आगमन।
- राज्य में नये टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाने के लिए '13 डिस्ट्रिक्ट-13 न्यू डेस्टिनेशन' योजना।
- ऋषिकेश में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेन्शन सेन्टर की स्थापना को मंजूरी।
- होम स्टे योजना से नये पर्यटन स्थलों को प्रोत्साहन।
- 100 करोड़ की लागत के पुनर्निर्माण कार्यों से बदल रही है श्री केदारनाथ धाम की तस्वीर।
- श्री बद्रीनाथ धाम में अवस्थापना सुविधा के विकास हेतु ₹ 40 करोड़ स्वीकृत।
- पर्यटन स्थलों को रोप-वे से जोड़ने का कार्य। सुरकण्डा देवी व पूर्णागिरी रोप-वे का निर्माण कार्य शुरू।

बदलेंगे गाँव, बढ़ेंगे उद्योग

- ''ग्रामीण विकास एवं पलायन आयोग'' का गठन।
- राज्य में कौशल विकास मंत्रालय का गठन।
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत ''स्टेट कम्पोनेंट के अन्तर्गत'' देश का प्रथम प्रशिक्षण केन्द्र उत्तराखण्ड में प्रारम्भ।
- प्रदेश की 670 न्याय पंचायतें बनेंगी ग्रोथ सेन्टर।
- MSME क्षेत्र में 2951 ईकाइयों की स्थापना, जिसमें 17 हजार से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ।
- राज्य में सेन्ट्रल इंस्ट्टियूट ऑफ प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी के लिये भवन एवं भूमि चिन्हित। इस वर्ष से कक्षाओं की शुरूआत।
- नई स्टार्ट अप नीति-2018 लागू।
- नये उद्यमों हेतु भूमि खरीदने की अनुमति अब जिला स्तर से।
- सिंगल विण्डो सिस्टम के अन्तर्गत ₹ 2500 करोड़ के 460 निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति।

एक वर्ष विश्वास का, ईमानदारी का, विकास का...

हर घर होगा रोशन

- 99.60 प्रतिशत ग्राम विद्युतीकृत। चाहे पिथौरागढ़ हो या टिहरी, दुर्गम गांव विद्युतीकृत।
- एक वर्ष में 51 दूरस्थ गाँव विद्युतीकृत। शेष 21 गांव मार्च 2018 तक विद्युतीकृत होंगे।
- 1500 कि.वा. की दुनाव जल विद्युत परियोजना का लोकार्पण।
- हरिद्वार महाकुम्भ क्षेत्र में विद्युत लाईनों को भूमिगत किये जाने हेतु ₹200 करोड़।
- 'उजाला मित्र' योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से एल.ई.डी. बल्बों का वितरण।
- विद्युत से वंचित परिवारों को बिजली देने के लिये ''सौभाग्य'' योजना की शुरूआत।

बढ़ेगा जल, बनेगा कल

- देहरादून में रिस्पना नदी व अल्मोड़ा में कोसी नदी के पुनर्जीवीकरण हेतु अभियान प्रारम्भ।
- रिस्पना के पुनर्जीवीकरण के लिए एक दिन में उद्गम से संगम तक वृक्षारोपण और साफ-सफाई अभियान का लक्ष्य।
- देहरादून में सूर्यधार झील परियोजना का कार्य शुरू।
- जल संरक्षण-संवर्द्धन अभियान से कुल 34600 लाख लीटर जल संचय क्षमता में वृद्धि।
- सौंग नदी परियोजना के द्वारा देहरादून हेतु ग्रेविटी बेस्ड जलापूर्ति की योजना।

पेयजल

- एक वर्ष में 552 नई बस्तियों को पेयजल उपलब्ध कराया गया।
- 572 स्थानों पर हैण्डपम्प स्थापित किए गए।
- 1273 ग्रामीण पेयजल योजनाओं का सुदृढ़ीकरण एवं जीर्णोद्धार।
- प्रदेश में 3837 चाल-खाल/जलकुण्ड फार्म पॉण्ड का निर्माण।
- पानी और सीवर कनेक्शनों के आवेदन की ऑनलाईन प्रक्रिया।

स्वस्थ उत्तराखण्ड, समृद्ध उत्तराखण्ड

- चिकित्सकों की कमी दूर करने के लिये ठोस कदम उठाये। दूरस्थ क्षेत्रों में डॉक्टरों की तैनाती।
- एक वर्ष में लगभग 600 अतिरिक्त चिकित्सकों को पर्वतीय क्षेत्रों में नियुक्त किया गया। 239 बॉन्डधारी चिकित्सकों की भी नियुक्ति।
- मैदानी क्षेत्रों में सुविधा जनक स्थानों पर वर्षों से तैनात डाक्टरों की संबद्धता समाप्त।
- राज्य के दूरस्थ अस्पतालों में 149 दंत चिकित्सकों की तैनाती।
- 481 चिकित्सकों एवं 293 स्वास्थ्य कार्यकत्रियों की चयन प्रक्रिया पूर्ण।

एक वर्ष विश्वास का, ईमानदारी का, विकास का...

- 35 प्रमुख अस्पतालों में टेली रेडियोलॉजी सुविधा प्रारम्भ।
- अगस्त्यमुनि, भिकियासैंण, नौगांव एवं ओखल काण्डा स्वास्थ्य केन्द्रों में ई-हेल्थ सेंटर स्थापित।
- प्रत्येक ई-हेल्थ सेंटर पर 60-65 प्रकार की जांचों की सुविधा।
- राज्य के 47 अस्पतालों में ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन की सुविधा तथा अन्य ई-सेवाएं। (ई-रक्तकोष एवं ई-औषधि भी प्रारम्भ)
- मीजल्स रूबेला टीकाकरण अभियान में लक्ष्य से अधिक 105 प्रतिशत (28.37 लाख) बच्चों का टीकाकरण।
- वेक्टर जनित रोगों (डेंगू तथा मलेरिया) के मामलों में भारी गिरावट दर्ज की गई।
- आशा कार्यकत्रियों के लिये वर्ष 2012 से रूकी हुई प्रोत्साहन राशि के ₹ 33 करोड़ जारी।
- आशा कार्यकत्रियों तथा ए. एन. एम. के लिये ₹ 2 लाख की दुर्घटना बीमा योजना।
- सभी ए. एन. एम. के लिये कम्प्यूटर टैबलेट।

पढ़ेगा उत्तराखण्ड तो बढ़ेगा उत्तराखण्ड

- सभी विद्यालयों में NCERT की पुस्तकें लागू करने का निर्णय। विद्यार्थियों को गुणवत्ता एवं शिक्षा की समानता का लाभ मिलेगा।
- सभी स्कूलों को स्मार्ट बनाने की कार्ययोजना।
- शिक्षा में सुधार के लिए मासिक टेस्ट की व्यवस्था।
- महाविद्यालयों में e-Library की स्थापना का निर्णय।
- 100 रिसर्च स्कॉलरों को स्कॉलरशिप देने का निर्णय।
- सभी प्राथमिक विद्यालयों में एक वर्ष में फर्नीचर, ब्लैकबोर्ड और शौचालयों की व्यवस्था का लक्ष्य।
- उत्तराखण्ड संस्कृत शिक्षा परिषद् द्वारा प्रथम बार 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन किया गया।
- संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों हेतु प्रथम बार नि:शुल्क पुस्तकों की व्यवस्था।

सड़क से रेल तक, उड़ान भरता उत्तराखण्ड

- चारधाम आलवेदर रोड में भूमि अधिग्रहण, वन भूमि हस्तान्तरण और मुआवजा वितरण कार्य प्रगति पर, 899 किमी मार्ग के सापेक्ष 395 किमी मार्ग के कार्य अवार्ड।
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग एवं रुड़की-देवबंद रेलवे लाईन हेतु त्वरित गति से भूमि अधिग्रहण एवं अन्य कार्यवाही प्रगति पर।

एक वर्ष विश्वास का, ईमानदारी का, विकास का...

- भारतमाला परियोजना में 13 हजार करोड़ की लागत से 570 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग स्वीकृत।
- हरिद्वार, रूद्रपुर, देहरादून और हल्द्वानी में बाईपास/रिंग रोड का निर्माण प्रस्तावित।
- 'उड़ान' योजना के अन्तर्गत पिथौरागढ, गौचर, चिन्यालीसौड़, धारचूला, अल्मोड़ा, नैनीताल और रामनगर के लिए सस्ती हवाई सेवाएं। राज्य के 27 हेलीपैड हवाई सेवाओं से जुडेंगे।
- उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के साथ समझौते से रोज हजारों यात्रियों को लाभ।
- रेल बजट में उत्तराखण्ड हेतु ₹1490 करोड़ आवंटित, जो वर्ष 2013-14 की तुलना में 695 प्रतिशत अधिक है।
- PWD के चालू निर्माण कार्यों हेतु गत वर्ष खर्च ₹ 420 करोड़ के सापेक्ष इस वर्ष ₹ 630 करोड़ का कार्य किया गया।
- पिछले एक वर्ष में कुल 1754 किमी लम्बाई की नई सड़कों एवं 57 पुलों का निर्माण। 567 किमी लम्बाई की सड़कों का पुनर्निर्माण।
- सड़कों एवं पुलों से 83 गांवों एवं 250 से अधिक की जनसंख्या की 198 बसावटों को जोड़ा गया।
- वाहनों की ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन सुविधा प्रारम्भ।
- परिवहन विभाग में स्मार्ट कार्ड आधारित ड्राईविंग लाईसेंस व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आर.सी.) की सुविधा।
- राज्य और जनपद स्तर पर सड़क सुरक्षा परिषदों का गठन।
- सड़क सुरक्षा उपायों के लिए राज्य सड़क सुरक्षा निधि का गठन।
- सार्वजनिक परिवहन के वाहनों में दुर्घटना सहायता राहत राशि को बढ़ाकर ₹ 50 हजार से ₹ 1 लाख किया गया।

स्वच्छ उत्तराखण्ड

- ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच मुक्त देश का चौथा राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में स्वच्छता अभियान की पहल को भारत सरकार द्वारा Best Practices का दर्जा।
- प्रदेश का पहला सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लान्ट शीशमबाड़ा, देहरादून में प्रारम्भ।
- मार्च 2018 तक सभी शहरी क्षेत्रों को भी ओ.डी.एफ. बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसे एक माह पूर्व ही प्राप्त कर लिया गया है। राज्य के सभी 100 शहरी निकायों ने स्वयं को ओ.डी.एफ. घोषित किया।
- 5.89 लाख ग्रामीण परिवारों के लिए शौचालय निर्माण।

एक वर्ष विश्वास का, ईमानदारी का, विकास का...

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'

- बाल लिंगानुपात में सुधार हेतु विशेष अभियान। डोर टू डोर सर्वे में बाल लिंगानुपात के आंकड़ों में वृद्धि दर्ज।
- महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिये देवभोग प्रसाद योजना प्रारम्भ। प्रसाद महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किया जा रहा है।
- प्रथम स्पर्श सैनेटरी नेपकिन उत्पादन इकाई का उद्घाटन। इस यूनिट के द्वारा प्रति दिन कम लागत के दस हजार सेनेटरी पैड का उत्पादन होगा।
- अतिकुपोषित बच्चों हेतु 'ऊर्जा योजना' (मण्डुवा, काला भट्ट, चौलाई, गेहूँ, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली आधारित खाद्य सामग्री)।
- सड़कों के रख-रखाव के लिये भी महिला स्वयं सहायता समूहों को रोजगार।
- देहरादून एवं हल्द्वानी में महिला बैंकों की शुरूआत।
- 15 ग्रोथ सेंटरों में महिलाओं को एल.ई.डी. उपकरण निर्माण की ट्रेनिंग।
- समाजिक रूप से कमजोर एवं निराश्रित महिलाओं के लिये ₹ 1 लाख तक ऋण मात्र एक प्रतिशत ब्याज पर।
- एकल महिलाओं के लिये सखी ई-रिक्शा योजना।

देवभूमि-वीरभूमि

- सैनिक एवं अर्द्धसैनिक बलों मे ड्यूटी के दौरान वीरगति को प्राप्त होने वाले उत्तराखण्ड निवासी जवानों के आश्रितों को राज्य सरकार द्वारा उनकी शैक्षिक योग्यता के आधार पर सेवायोजित करने का निर्णय।
- द्वितीय विश्व युद्ध के भूतपूर्व सैनिकों व शहीद सैनिकों की विधवाओं को देय मासिक पेशन को ₹ 4 हजार से बढ़ाकर ₹ 8 हजार प्रतिमाह किया।

बेघर का सपना, पक्का घर अपना

- ''प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिये आवास (शहरी)'' के अंतर्गत 2022 तक 1.25 लाख किफायती आवास का लक्ष्य।
- योजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में 10,049 आवास स्वीकृत। 224 आवास निर्मित।

हाईटेक होता उत्तराखण्ड

- सभी राशन की दुकानों को ''कॉमन सर्विस सेन्टर'' के रूप में विकसित करनें का निर्णय। जिसमें आम जनता को उनके घर के निकट ही आवश्यक प्रमाण पत्र इत्यादि की सुविधा मिल सकेगी।
- आई.आई.टी. मुम्बई के सहयोग से बैलून तकनीक से दूरस्थ सीमांत गांवों में संचार सुविधाएं।

लक्ष्य 2020

- राज्य की सभी योजनाओं में DBT लागू करना।
- राज्य का स्वयं का राजस्व दोगुना करना।
- 05 हजार होम स्टे का निर्माण।
- 01 लाख युवाओं को "Skilled" बनाना।
- 04 लाख 35 हजार वंचित परिवारों में से कम से कम एक व्यक्ति प्रति परिवार को जीविका के साधन देना।
- सर्विस सेक्टर में 01 लाख नए रोजगार उत्पन करना।
- 200 स्टार्टअप शुरू करना।
- 05 हजार सरकारी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था करना ।
- मातृ-मृत्यु दर को 100 प्रति 01 लाख से नीचे लाना।
- शिशु-मृत्यु दर को 30 प्रति 01 हजार से नीचे लाना ।
- 05 वर्ष से नीचे शिशु-मृत्यु दर को 36 प्रति 01 हजार के नीचे ले आना।
- सभी 13 जनपदों में ट्रॉमा सेन्टर, ब्लड बैंक और आईसीयू की स्थापना ।
- हर गांव में 10 किमी के दायरे में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ।
- संस्थागत प्रसव बढ़ाकर 90 प्रतिशत तक लाना।
- स्वास्थ्य बीमा के अन्तर्गत सभी को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना।
- गंगा नदी में जाने वाले कचरे को पूर्ण रूप से रोकना ।
- हर परिवार को कुकिंग गैस ।
- सभी भू-अभिलेखों को शत-प्रतिशत डिजिटल बनाना।
- सभी ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाईबर क्नेक्टिविटी देना।
- हर घर को बिजली।
- शत्-प्रतिशत साक्षरता।
- प्रत्येक गांव में आपदा प्रबंधन हेतु वॉलेन्टियर्स का प्रशिक्षण।
- हरिद्वार और देहरादून के सभी सरकारी भवनों पर सोलर रूफ टॉप।
- 01 लाख आवास उपलब्ध कराना।

उत्तराखण्ड शासन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग उत्तराखण्ड, सूचना भवन, लाडपुर, रिंग रोड, देहरादून द्वारा प्रकाशित एवं एलाईड प्रिंटर्स, देहरादून द्वारा मुद्रित।
फोन : 0135-2662971, 2662369 फैक्स : 0135-2662334 ई-मेल: infodirector.uk@gmail.com वेबसाइट: www.uttarainformation.gov.in